साढ़े छह हजार करोड़ का निवेश साठ हजार नए रोज़गार का सृजन

आबकारी विभाग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर आबकारी विभाग तय व्यवस्थाओं व नियमों को सरल करके ईज आफ डूइंग बिजनेस की नीति अपनाते हुए कार्य कर रहा है। यही वजह है कि साढ़े चार वर्षों में कोआपरेटिव व प्राइवेट सेक्टर में 12 नई आसवनियों की स्थापना की गई। अब तक साढ़े छह हजार करोड़ का निवेश व 60 हजार नए रोजगार का सृजन किया गया है।

अपर मुख्य सचिव आबकारी संजय आर. भूसरेड्डी ने बताया गया कि कोआपरेटिव सेक्टर के तहज बिजनौर, आजमगढ़ में दो नई आसवनियां, स्नेह रोड बिजनौर में 40 केएलपीडी क्षमता की नई आसवनी लगाई गई, जिस पर 51.37 करोड़ का निवेश हुआ है। ऐसे ही सठियांव आजमगढ़ में 30 केएलपीडी क्षमता की नई आसवनी लगी उस पर 56.41 करोड़ का निवेश किया गया। आसवनियों की स्थापना से चीनी मिलों की आर्थिक स्थितियों में सुधार होने के साथ गन्ना किसानों को गन्ना मूल्य के भुगतान में भी आसानी है।

उन्होंने कहा कि प्राइवेट क्षेत्र में पीलीभीत, हरदोई, शाहजहांपुर, मुरादाबाद, बुलंदशहर, लखीमपुर खीरी, बहराइच व सीतापुर में 10 नई आसवनियां लगी। इसी प्रकार तीन यवासवनियों के स्थापित किये जाने के लिए अनुज्ञापन स्वीकृत किए गए हैं। ये संभल, सोनभद्र व बाराबंकी में स्थापित होंगी। इन इकाईयों की स्थापना से कुल 12.48 हेक्टोलीटर बीयर के उत्पादन में वृद्धि होगी।

कानपुर, नोएडा, गाजियाबाद, गोरखपुर, प्रयागराज, मेरठ, आगरा, लखनऊ, मुरादाबाद व बरेली में ताजा बीयर उपलब्ध कराने के लिए माइक्रोब्रिवरी की स्थापना करने का निर्णय लिया गया। 12 उद्यमियों को माइक्रोबिवरी का लाइसेंस दिया गया है। वाइनरीज उद्योगों की स्थापना के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। कोरोना महामारी की रोकथाम में अल्कोहल से सैनिटाइजर बनाने में कीर्तिमान बना है। 97 सैनिटाइजर इकाईयों को लाइसेंस दिया गया। प्रदेश निर्मित सैनिटाइजर दूसरे राज्यों को भी निर्यात किया गया। इसमें करीब 1700 लोगों को रोजगार के नए अवसर मिले व 25 करोड़ का निवेश उद्यमियों ने किया।